News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

माह–जुलाई 2021

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

प्रोफेसर सीमा सिंह
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
फोन नंबर ऑफिस: 0532 -2447028
फैक्स : 2447032

डॉ.अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विद्यालय, प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 752 5048 0 31

श्री अजय कुमार सिंह
वित्त अधिकारी
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48006

श्री डी पी सिंह
परीक्षा नियंत्रक
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48009

इं. सुखराम मथुरिया
उप कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48023

कुलपति की कलम से

मानव को ज्ञानवान, सामर्थ्यवान तथा विवेकवान बनने और बनाने का एकमात्र साधन व माध्यम शिक्षा है। आइये हम सब शिक्षित और दीक्षित हों। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, आयु, स्थान, समय तथा रोजगार आदि के बन्धनों से मुक्त गुणवत्तापरक एवं लचीली उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आपका स्वागत है। शिक्षार्थ आईये सेवार्थ जाइये। समसामयिक समस्याओं, सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र उत्थान में भी यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है। यह नवाचारों के प्रति भी सहज और सजग है। To be a Virtual University के विजन, जीवन पर्यन्त रोजगार, कौशल विकास तथा मानव निर्माण की शिक्षा प्रदान करने के मिशन तथा ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहां'' जैसे सूत्र वाक्य के साथ यह विश्वविद्यालय वर्ष 1999 से समाज की शिक्षा सेवा में तत्पर है। भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के नाम पर तीर्थराज प्रयाग में अवस्थित ग्रीन एवं क्लीन मुख्यालय के तीन परिसरों के साथ यह विश्वविद्यालय उ0प्र0 राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित वर्तमान के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा 1100 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम तथा समर्पित प्राध्यापकों व सहकर्मियों की सहायता से शिक्षार्थी समीपस्थ तथा अधिगम केन्द्रित उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय जन सामान्य चाहे महिला हो या ग्रामीण को सजग व जागरूक बनाने की गतिविधियाँ भी आयोजित व संचालित करता है। मुक्त चिंतन का प्रकाशन भी विश्वविद्यालय का इसी दिशा में एक प्रयास है। इस कार्य हेतु मैं श्री इन्दुभूषण पाण्डेय जी एवं अन्य सहयोगियों को साधुवाद देती हूँ तथा इसके सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ। भारत उत्थान को समर्पित सभी पूर्वजों को नमन करते हुए मैं आशा करती हूँ कि यह विश्वविद्यालय देश, प्रदेश और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने में अवश्य सफल होगा।

जय हिन्द !

Seema.

प्रो0 सीमा सिंह
कुलपति

मुक्त विश्वविद्यालय ने पुण्यतिथि पर राजर्षि टण्डन को किया स्मरण

कुलपति ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की पुण्यतिथि पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन की पुण्यतिथि पर उनके नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेता है। उनकी स्मृति में स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय जन जन तक उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार करे, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी प्रोफेसर एस कुमार आदि ने टंडन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मा0 कुलपति सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कुलपति निर्माण कार्यों का कार्यदायी संस्था से वन टाइम एग्रीमेंट करें

विश्वविद्यालय प्रति माह राजभवन को निर्माण कार्यों के प्रगति की रिपोर्ट भेजें–

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 1 जुलाई, 2021

समस्त कार्यदायी संस्थाएं विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। किसी भी दशा में निर्माण कार्य की लागत धनराशि एवं समय सीमा में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। यह निर्देश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन लखनऊ से वर्चुअली समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य के लिए स्टीमेट पूर्णतया सोच समझकर बनाए ताकि भविष्य में स्टीमेट रिवाइज न कराना पड़े। राज्यपाल ने कार्यदायी संस्थाओं की उदासीनता के कारण निर्माण कार्यों में हो रहे विलम्ब एवं उनकी लचर कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई तथा निर्देश दिये कि प्रत्येक दशा में तय सीमा के अन्दर निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरे किये जाएं। समय पर कार्य पूर्ण न करने वाली संस्थाओं पर उन्होंने कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कुलाधिपति ने कुलपतियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों के अनुश्रवण हेतु कमेटी का गठन करें तथा प्रति माह राजभवन को

कार्यों के प्रगति की रिपोर्ट भेजें। राज्यपाल ने लम्बे समय से चल रहे निर्माण कार्यों के अभी तक पूर्ण न होने वाली कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी फटकार लगायी तथा इसकी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री जी को प्रेषित करने के निर्देश भी दिये। राज्यपाल जी ने कहा कि जब भी किसी निर्माण कार्य के लिए कार्य योजना बनती है तो उसको विश्वविद्यालय में शुरू करने से पूर्व समस्त कुलपति कार्यदायी संस्था से उसके कार्य की पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता से पूर्ण करने हेतु वन टाइम एग्रीमेंट करें तथा उसके अनुश्रवण हेतु तकनीकी विंग के साथ समय–समय पर कार्य की प्रगति एवं समय की समीक्षा भी करें। उन्होंने कहा कि कार्य शुरू करने से पूर्व डिजाइन के संबंध में भली प्रकार विचार–विमर्श कर लिया जाय ताकि बाद में डिजाइन के परिवर्तन में किसी प्रकार की गुंजाइश न रहे।

राज्यपाल जी ने कहा कि निर्माण कार्य शुरू करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करें तथा यदि कहीं से अनापित्त प्रमाण पत्र लिया जाना है तो समयानुसार उसे भी प्राप्त कर लें। राज्यपाल जी ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि राजभवन द्वारा मांगी गयी सभी सूचनाएं निर्धारित समय सीमा तथा निर्धारित फार्मेट पर भेजें तथा भेजने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित कर लिया जाय कि भेजी जा रही सूचनाएं पूर्णतया सत्य हैं।

समीक्षा बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश गुप्ता, विश्वविद्यालयों के निर्माण कार्य हेतु इकाई के प्रमुख, सम्बन्धित विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक व कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग उ0प्र0, लखनऊ, उ0प्र0 जल निगम, लखनऊ, भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ, लखनऊ, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, उ0प्र0 राज्य निर्माण सहकारी संघ लि0, लखनऊ, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद्, लखनऊ, उ0प्र0 स्टेट कंस्ट्रक्शन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि0, लखनऊ, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ, उ0प्र0 प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लि0, लखनऊ आदि के प्रभारी अधिकारी आनलाइन जुड़े हुए थे।

————

महिला अध्ययन केन्द्र की गतिविधियों की रिपोर्ट

माह जून 2021 में महिला महिला अध्ययनन केन्द्र द्वारा की गयी गतिविधियों की एक रिपोर्ट तैयार कर महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेयी एवं सदस्यों ने माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को दिया।
इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, माननीया कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह एवं डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल उपस्थित रहे।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को महिला अध्ययन केन्द्र की रिपोर्ट प्रस्तुत करती हुई महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेयी तथा साथ में सह–समन्वयक डॉ0 श्रुति, सह–समन्वयक डॉ0 मीरा पाल एवं सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, माननीया कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह एवं डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल

01 जुलाई, 2021

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

News Letter

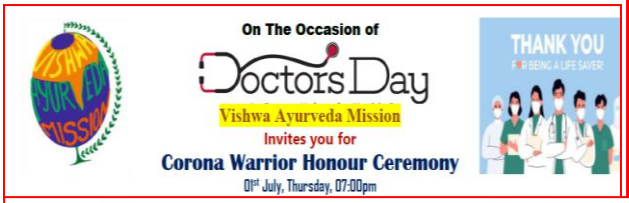

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर कोरोना योद्धाओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने किया

विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर कोरोनावायरस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीया न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही।

विश्व आयुर्वेद मिशन की केंद्रीय समिति द्वारा प्रयागराज और वाराणसी के 10 डॉक्टरों की एक टीम का चयन किया गया और पीड़ित मानवता के प्रति उनकी समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर कोरोना योद्धा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने किया। न्यायमूर्ति चौहान ने कोविड-19 संकट के दौरान डॉक्टरों की ईमानदारी और समर्पण की सराहना की और कहा कि हमें चिकित्सकों को उचित सम्मान देना चाहिए और उनके प्रति हिंसा को रोकना चाहिए। प्रो सीमा सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम को संबोधित किया और साथ ही कोविड महामारी के दौरान डॉक्टरों के प्रयासों की सराहना की। विश्व आयुर्वेद मिशन की केंद्रीय समिति द्वारा प्रयागराज और वाराणसी के 10 डॉक्टरों की एक टीम का चयन किया गया और पीड़ित मानवता के प्रति उनकी समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। डॉ राज किशोर अग्रवाल (जनरल सर्जन), डॉ आलोक मिश्रा (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट), डॉ मंजू अग्रवाल (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ आशीष टंडन (उरों रोग विशेषज्ञ), डॉ इंद्रनील बसु (डायबेटोलॉजिस्ट), डॉ राकेश मोहन गुप्ता (एनेस्थेटिस्ट), डॉ बिंदु विश्वकर्मा (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ राकेश कुमार सिंह (आयुर्वेदिक चिकित्सक), डॉ अंजना सक्सेना (आयु स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ अवनीश भूषण पांडे (आयुर्वेदिक चिकित्सक)। चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रोफेसर (डॉ) जी एस तोमर ने चिकित्सा को सबसे पवित्र पेशा करार दिया। उन्होंने चिकित्सकों के चार गुणों पर जोर दिया जैसे रोगियों के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया और दया, इलाज योग्य रोगियों के प्रति लगाव और लाइलाज के प्रति उपेक्षा का भाव। उन्होंने आगे वैदिक कहावत सुनाते हुए कहा कि न तो हमें स्वर्ग की कामना है न मोक्ष की, हम दुख से पीड़ित लोगों की पीड़ा को शमन करने की कामना करते हैं।

उपरोक्त सभी डॉक्टरों ने आयोजन के दौरान कोविड रोगियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। अंत में विश्व आयुर्वेद मिशन के यूपी चैप्टर के सचिव डॉ अवनीश पांडे ने धन्यवाद सभी अतिथियों एवं चिकित्सकों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कोविड के दौरान शहीद हुए चिकित्सक योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

मुक्त चिन्तन
02 जुलाई, 2021

व्यवस्थित बचत योजनाओं में करें निवेश - प्रोफेसर मिश्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में बचत प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

महिलाओं को पढ़ाई जाए वित्तीय साक्षरता- प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा द्वारा शुक्रवार को **इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 प्लैनिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ फाइनेंसेस फॉर इंडिविजुअल एंड फैमिली** विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो0 आर.सी. मिश्रा जी, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, उत्तराखंड रहे। अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने की।

प्रो0 ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि ऋण, कर और वित्त पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरव संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबीनार में प्रो0 आशुतोष गुप्ता, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षक, शैक्षणिक परामर्शदाता, क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयक एवं एमबीए के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो0 ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरव संकल्प

व्यवस्थित बचत योजनाओं में करें निवेश - प्रोफेसर मिश्रा

मुख्य वक्ता प्रो0 आर.सी. मिश्रा जी

वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो0 आर. सी. मिश्रा, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, उत्तराखंड ने कहा कि आज के दौर में वित्तीय साक्षरता पर विशेष ध्यान रखना चाहिए । इसके लिए बचत योजनाओं को अमल में लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कर मुक्त पीपीएफ में पैसा जमा करके अपनी प्रभावी आय को सालाना 10: तक बढ़ाया जा सकता है। प्रो0 मिश्रा ने शेयर मार्केट एवं म्यूच्युअल फंड में व्यवस्थित बचत योजनाओं के द्वारा निवेश करने पर जोर दिया। उन्होंने वित्तीय साक्षरता के साथ मुख्य रूप से क्रिएशन ऑफ वेल्थ पर्सनल फंड के बारे में जानकारी दी।

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

महिलाओं को पढ़ाई जाए वित्तीय साक्षरता- प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि कोरोना काल में नारियों को वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता है। उन्होंने छोटी-छोटी बचत एवं वित्तीय प्रबंधन पर विशेष रूप से नारियों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम शुरू करने को कहा। उन्होंने बताया कि कोविड-19 आपदा के समय कैसे हम अपने घरेलू खर्च एवं बचत को उपयोगी रूप में नियोजित कर सकते हैं। नारी शक्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हर नारी अपने घर की रीढ़ होती है। जो मुश्किल समय में अपनी बचत द्वारा घर के खर्चों का वहन करती है।

कुलपति ने पीपल का पौधा लगाकर किया वन महोत्सव का शुभारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों व अध्ययन केन्द्रों ने जुलाई के प्रथम सप्ताह में आयोजित वन महोत्सव के अंतर्गत ऑक्सीजन युक्त पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा करने का संकल्प लिया । विश्वविद्यालय के प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र पर माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने पीपल का पौधा लगाकर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों और 1200 अध्ययन केंद्रों पर एक साथ वृक्षारोपण का अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान में सामाजिक संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

इससे पूर्व माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों को निर्देशित किया था कि 1 से 7 जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने इस बार प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑक्सीजन प्रदान करने वाले अधिकतम पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिसको सभी को एक साथ मिलकर पूरा करना है।

प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र पर आज वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने पीपल का पौधा लगाकर की। इस अवसर पर उनका स्वागत प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 गिरजा शंकर शुक्ल एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

संतान की तरह पालन पोषण करें वृक्षों का : प्रो0 सीमा सिंह

वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि वन के महत्व को समझते हुए वन संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए जन सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। हम केवल वृक्षारोपण ही ना करेंए वरन छायादार और फलदार वृक्षों का रोपण करके उन्हें अपनी संतान की तरह पालेंए पोसें और संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से जो दुष्परिणाम हमें भुगतने पड़े हैंए वह किसी से छुपा नहीं है। कोरोना काल में आक्सीजन की अनुपलब्धता के भयावह परिणाम हम देख चुके हैं। इसीलिए वृक्षारोपण के प्रति जन जागरूकता समय की मांग है। मुक्त विश्वविद्यालय ने इसका बीड़ा उठाया है और वन महोत्सव के अंतर्गत पूरे प्रदेश में विश्वविद्यालय ने वृक्षारोपण अभियान को एक साथ प्रारंभ किया है।

मुक्त चिन्तन

05 जुलाई, 2021

कुलपति पहुंचीं लेहरा गांव, किया वृक्षारोपण

लेहरा गॉव में वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

दिनांक 05 जुलाई, 2021 को प्रयागराज स्थित विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आगाज किया। इसके पूर्व कल रविवार को कुलपति प्रो0 सिंह ने यमुना परिसर में वन महोत्सव का शुभारंभ किया था। कुलपति प्रो0 सिंह ने आज मुक्त विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत गांव विकासखंड सोरांव के अंतर्गत लेहरा ग्राम में भी वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने ग्रामीणों के उन्नयन के लिए महिला अध्ययन केंद्र द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा किसानों को प्रेरित करने जैसे कार्यक्रमों की सार्थकता की सराहना की। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जी टेक बायो रिसर्च, शांतिपुरम के निदेशक अमरदीप शुक्ला ने जैविक खाद एवं कुछ पौधे उपलब्ध कराएं। उन्होंने गांव के विकास के लिए विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की।

इस अवसर पर प्रो पी पी दुबे, प्रो ओम जी गुप्ता, प्रो सत्यपाल तिवारी, प्रो रुचि बाजपेयी, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ दिनेश सिंह तथा प्रधान प्रतिनिधि श्री हरषू मिश्रा आदि उपस्थित रहे। अंत में कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो प्रेम प्रकाश दुबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुविवि के कृषि विद्या शाखा ने लेहरा को लिया है

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत आज विश्वविद्यालय मुख्यालय के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों एवं कई अध्ययन केंद्रों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को अपने-अपने क्षेत्रों में संपादित किया गया।

मुक्त विश्वविद्यालय के ईडीपी सेल में लगे नए उपकरणों का कुलपति ने किया शुभारंभ

ईडीपी सेल में क्रिया एवं क्रियान्वयन हेतु आई हुई मशीनों का शुभारंभ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में स्थापित ईडीपी सेल में क्रिया एवं क्रियान्वयन हेतु आई हुई मशीनों का शुभारंभ दिनांक 5 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह, ईडीपी सेल की इंचार्ज श्रीमती सीमा सिंह एवं परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कुलसचिव ने किया वृक्षारोपण

विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र अमर शहीद ठा० दरियाव सिंह महाविद्यालय के प्रांगण में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता जी रहे । इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री बुद्ध राज सिंह तोमर, प्रबंधक कामरेड, राम सजीवन सिंह, उप प्रबंधक श्री गजेंद्र सिंह एवं अन्य सम्मानित सदस्य तथा महाविद्यालय के हिंदी प्रवक्ता डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह , धर्मेंद्र मिश्रा, संतोष यादव, रवींद्नाथ शुक्ला, राजेश सिंह, जितेंद्र सिंह व शिवनायक पाल आदि उपस्थित रहे।

डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि बिना वृक्षों के जल, बिना जल के जीवन संभव नहीं है। उन्होंने पीपल का वृक्ष लगाकर वातावरण को जीवन से ओतप्रोत करके महाविद्यालय को ज्ञान के प्रतीक के रूप में प्रकाशित किया। इस अवसर पर लगभग 200 पौधों का रोपण किया गया।

वृक्षारोपण करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

मुविवि में उपग्रह आधारित प्रौद्योगिकी पर हुआ वेबीनार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय **प्रयागराज की समाज विज्ञान** विद्या **शाखा द्वारा मंगलवार को आपदा निगरानी एवं प्रबंधन में उपग्रह आधारित** पौद्योगिकी **विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध** विश्वविद्यालय, **अयोध्या के माननीय कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह जी रहे। वेबीनार के मुख्य वक्ता अध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद** विश्वविद्यालय, **प्रयागराज के प्रो० ए.आर. सिद्दीकी जी रहे। विशिष्ट वक्ता अध्यक्ष, भूगोल विभाग, ख्वाजा मो. चि. भाषा** विश्वविद्यालय, **लखनऊ के डॉ. प्रवीण कुमार राय जी रहे एवं अध्यक्षता** विश्वविद्यालय **की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने** की ।

प्रो० रविशंकर सिंह जी
माननीय मुख्य अतिथि

उपग्रह हमारी आंखें हैं- प्रोफेसर सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 रविशंकर सिंह, कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या ने कहा कि उपग्रह हमारी आंखें हैं, जो आपदाओं के ऊपर निगरानी रखती हैं और मानव मात्र को सचेत करती हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में ताउते और यास तूफान की उपग्रह आधारित प्रौद्योगिकी से पूर्व में सूचना प्राप्त हो जाने के कारण जनमानस को जान माल की हानि से बचाया जा सका। प्रो0 सिंह ने अपने उद्बोधन में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र के द्वारा अनेकानेक प्राकृतिक मानवीय आपदाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने मानचित्रों के माध्यम से बताया कि भारत के किस राज्य में किन-किन आपदाओं का प्रभाव है एवं इसकी निगरानी और प्रबंधन कैसे किया जा सकता है।

प्रो० ए.आर. सिद्दीकी जी
माननीय मुख्य वक्ता

मुख्यवक्ता प्रो0 ए. आर. सिद्दीकी, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय **ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक सरोकार किस रूप में होता है एवं उसकी योजना कैसे बनाई जानी चाहिए। उन्होंने समस्याओं के निपटारे सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर पर करने के लिए सभी पक्षों का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत किया।**

विशिष्ट वक्ता डॉ प्रवीण कुमार राय, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने सुदूर संवेदन, तकनीकी एवं भौगोलिक सूचना तंत्र के माध्यम से आपदाओं की निगरानी एवं प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने इसका वैज्ञानिक विश्लेषण मानचित्र और आरेखों के द्वारा विषय की समग्रता को समझते हुए सारगर्भित व्याख्यान दिया

डॉ. प्रवीण कुमार राय
माननीय विशिष्ट

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने अत्यंत सूक्ष्म दृष्टि से कोरोना आपदा की त्रासदी से भयाक्रांत जनमानस की चिंताओं को आरेखित किया।

मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा जिला–बाराबंकी के सिद्धौरा ब्लाक के ग्राम–टिकरिया में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र का गठन हुआ। कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के मार्गदर्शन से महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ जिला–बाराबंकी के सिद्धौरा ब्लाक के ग्राम–टिकरिया को क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गॉव की महिलाओं से वार्ता करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की शैक्षणिक परामर्शदाता, समाज कार्य, डॉ0 अलका वर्मा व अन्य सदस्यगण।

कार्यक्रम का उद्देश्य इस गॉव की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सशक्त करना आत्मनिर्भरता हेतु प्रशिक्षित करना व शिक्षा की ओर ले जाना है। समाज के लिए महिला का शिक्षित होना बहुत जरूरी है। इसी क्रम में आज दिनांक 07.07.21 को राजश्री इण्टर कालेज टिकरिया में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गॉव की लगभग 65 महिलाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रतिभाग किया। महिलाओं में कार्यक्रम के प्रति एक अलग उत्साह देखा गया। विश्वविद्यालय की ओर से गॉव में वृक्षारोपण करने के साथ मास्क व सूचना विवरणिका की प्रतियों का निःशुल्क वितरण किया गया।

डॉ0 अल्का वर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन व संचालन के साथ–साथ कार्यक्रम के उददेश्य एवं भावी योजनाओं के बारे में बताया। डॉ0 वर्मा ने कहा जब तक महिलाओं में आत्मनिर्भरता की सोच नहीं होगी तब तक वे सरकारी योजनओं का लाभ नहीं ले सकतीं इस लिए स्वयं जागरूक बनने पर जोर दिया तथा बताया आगे भी ऐसे कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित होते रहेंगे। अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम से सम्बन्धित अपने–अपने विचार रखे। डॉ0 रोहित मिश्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने स्वछता पर अपनी अहम जानकारी साझा की। जिला महिला चिकित्सालय, बाराबंकी से पूजा वर्मा, ने कोरोना महामारी से बचाव सकारात्मक सोच रखने के साथ कोरोना वैक्सिनेसन कराने पर जोर दिया तथा उसके फायदे भी गिनाए। ममता सिंह, अभ्या फाउण्डेशन, लखनऊ महिला अधिकारों कुरीतियों विवाह की सही आयु के बारे में जानकारी दी। डॉ0 दिवाकर ने बताया कौन कौन सी सरकारी योजनाएँ चल रही हैं। किस प्रकार हम सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कालेज के प्रबन्धक श्री शिव हर्ष सिंह जी ने महिला सशक्तीकरण पर विचार रखे। अन्त में श्री संजय कुमार ने विश्वविद्यालय में संचालित कार्यक्रम व उसके उददेश्य की जानकारी दी।

वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा- कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर में आज वन महोत्सव के अंतिम दिन कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने कहा कि यह अभियान केवल वन महोत्सव सप्ताह तक ही सीमित नहीं रहेगा इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। विश्वविद्यालय को अधिकतम पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा करना है। इस अवसर पर अनुरक्षण प्रभारी एवं उप कुलसचिव इंजीनियर सुखराम मथुरिया ने माननीया कुलपति जी का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो0 रुचि बाजपेई, प्रो0 एस कुमार आदि शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अर्जुन का पौधा रोपण करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन सामुदायिक केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

निर्माणाधीन समुदायिक केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 07 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित निर्माणाधीन सामुदायिक केंद्र का माननीया कुलपति ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करें। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता विद्युत परामर्शदाता उमेश पाण्डेय तथा विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

08 जुलाई, 2021

News Letter

कुलपति ने किया विश्वविद्यालय के सभी विभागों का निरीक्षण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज प्रातः विश्वविद्यालय के सभी विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वह अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों को कार्यालय आने की समयबद्धता सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने निर्देशित किया कार्यालय में कोविड-19 प्रोटोकॉल का ध्यान अवश्य रखा जाए।

विश्वविद्यालय के विभागो का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज प्रशासन अनुभाग परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, वित्त अधिकारी कार्यालय, संपत्ति अधिकारी कार्यालय, पाठ्य सामग्री अनुभाग, परामर्श प्रकोष्ठ, प्रवेश अनुभाग आदि कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया तथा देर से आने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संदेश दिया कि अनुशासन हर क्षेत्र में जरूरी है, इसलिए कार्यालय आने के समय का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

योजना बोर्ड की 36वीं (आकस्मिक) बैठक

माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की 36वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 09 जुलाई, 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 अभिजीत सिंह, प्रबन्धन शास्त्र संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 बी.एन. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. आशीष सक्सेना, अध्यक्ष समाजशस्त्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एस.के. सिंह, पूर्व कुलपति, म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, श्री नील रत्न सिंह, एग्वेट फूड एण्ड फीड्स, गोरखपुर, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई आचार्य, हिन्दी, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य, संस्कृत, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) प्रतिभाग किये।

योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करती हुई मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

विशेष शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर हुआ वेबीनार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एवं
समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र(सी.आर.सी.)-लखनऊ
पंडित दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान, नई दिल्ली के अधीन कार्यरत
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार
द्वारा आयोजित वेबिनार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र सी0आर0सी0 लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को राष्ट्रीय वेबीनार 'विशेष शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता डॉ0 भूषण पुनानी, अध्यक्ष, आई0सी0ई0वी0आई0, वेस्ट एशिया, अहमदाबाद, गुजरात रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 नीता मिश्रा द्वारा किया गया तथा अतिथियों का स्वागत प्रो0 पी0के0 पाण्डेय तथा विषय प्रवर्तन श्री रमेश पाण्डेय द्वारा किया गया तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव श्री परविन्द कुमार वर्मा तथा सह-आयोजन सचिव श्री राजमणि पाल जी द्वारा किया गया। तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री नागेश पाण्डेय, सी0आर0सी0, लखनऊ द्वारा किया गया। राष्ट्रीय वेबिनार में पूरे भारत के अनेक राज्यों से लगभग 500 प्रतिभागी यथा गूगलमीट, यू-टयूब चैनल तथा फेसबुक के माध्यम से ज्ञान अर्जन किये।

विशेष शिक्षा के परिपेक्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में श्रीमती स्मिता जयंत निर्देशिका, पीडीयूएनआईपीपीडी, नई दिल्ली ने अपने सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 सामान्य व दिव्यांग दोनों के लिए महत्वपूर्ण है

श्रीमती स्मिता जयवंत
(निदेशिका)
PDUNIPPD, नई दिल्ली

नई शिक्षा नीति का सफल क्रियान्वयन किया जाए- डॉ. भूषण

वेबीनार के मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता डॉ0 भूषण पुनानी, अध्यक्ष, आई0सी0ई0वी0आई0, वेस्ट एशिया, अहमदाबाद, गुजरात ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति गुणवत्तापरक नीति है, जो सभी को सक्षमता व सबलता प्रदान करने योग्य है। इसके सफल क्रियान्वयन किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिन्दुओं की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हमें शिक्षा के माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भी शिक्षित करना होगा। समाज में समावेशन की दिशा को सुदृढ़ता प्रदान करनी होगी। उन्होंने कहा कि समाज में समावेशी अधिगम वातावरण का निर्माण करना होगा, जिसमें सभी अपनी भूमिका को सहज रूप से स्थापित करने में सक्षम हो जायें। इसके लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ई0सी0सी0ई0 पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रारम्भिक भाषा साक्षरता एवं गणितीय योग्यता को बढ़ाना होगा। छोटे बच्चों के प्रारम्भिक कक्षा को मजबूत करना होगा तथा उनके विकास पर हमेशा नजर बनाये रखना होगा। उनके लिखने पढ़ने तथा शारीरिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान रखना पड़ेगा तथा निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण करते हुये उन्हें शिक्षा में जोड़ने का प्रयास करना चाहिये। यदि किसी प्रकार की अक्षमता नजर आ रही है तो उसकी शीघ्र जांच कर उसके समाधान की ओर बढना चाहिये। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के कार्य को भी विस्तार देने की आवश्यकता है तथा उन्हें प्रशिक्षण देकर शीघ्र पहचान एवं समाधान का प्रशिक्षण प्राप्त कराना चाहिये जिससे वे बच्चों को स्कूल जाने हेतु तैयार कर सकें। इसमें बच्चों के माता पिता का भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिये। हमें डिजीटल लाईब्रेरी तक बच्चों की पहुंच बढ़ानी पड़ेगी तथा शिक्षण के बहुविकल्प रास्ते बनाने चाहिये। हमें समावेशन हेतु समावेशित फण्ड योजना बनानी चाहिये तथा आर0पी0डब्लू0डी0 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुये लोगों को शिक्षित करना पड़ेगा तथा उन्हें विशेष स्कूल व सामान्य स्कूल को अपनी क्षमता के अनुसार चुनने का अवसर प्रदान करना चाहिये तथा उन्हें विभिन्न प्रकार के तकनीकियों से भी प्रशिक्षित करना चाहिये तथा दिव्यांग लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने का भी प्रयास करना चाहिये, जिसमें उनके माता पिता की भी भूमिका होनी चाहिये।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में जो चुनौतियां हैं उस पर विशेष ध्यान देते हुए समाधान की ओर बढ़ना चाहिये।

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

दिव्यांगता की पहचान आंगनबाड़ी स्तर से भी होना चाहिये - प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति दिल से बनाई गयी है तथा शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी गयी है। यदि उस पर सफल क्रियान्वयन हो जाये तो निश्चित रूप से शिक्षा के माध्यम से समाज में सबलता आयेगी। उन्होंने कहा कि विशेष शिक्षक के साथ सामान्य शिक्षक को भी दिव्यांगजनों के शिक्षण की सामान्य जानकारी का प्रशिक्षण देना चाहिये। जिससे वे बच्चों की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। समावेशी शिक्षा पर ध्यान दिलाते हुए हुए कहा कि सभी के लिये शिक्षा का मतलब समाज के पिछड़े, दिव्यांग महिला इत्यादि जो समाज की मुख्यधारा से अलग है, उनकी भी शिक्षा की बात कही गयी है। ई0सी0सी0ई0 पर जोर देते हुए कहा कि दिव्यांगता की पहचान आंगनबाड़ी स्तर से भी होना चाहिये तथा इस पर शीघ्र हस्ताक्षेप करके उसके निदान की ओर बढ़ना चाहिये। उन्होंने कहा कि अक्सर हम समाज में देखते हैं कि जो बच्चे देर से बोलते हैं या देर से उनका विकास प्रारम्भ होता है तो उसको हम गंभीरता पूर्वक नहीं लेते जबकि हमें इस पर विशेष ध्यान देना चाहिये। बच्चों की दिव्यांगता के आधार पर उन्हें अतिरिक्त समय देने का प्रावधान होना चाहिये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में जो चुनौतियां हैं उस पर विशेष ध्यान देते हुये समाधान की ओर बढ़ना चाहिये।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आयोजक मण्डल के सदस्य श्री नागेश पाण्डेय जी।

मुविवि की कुलपति ने किया लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र का निरीक्षण

समाज कार्य में नए पाठ्यक्रम पर विचार

प्रोफेसर सीमा सिंह ने लगाया पीपल का पौधा

अध्ययन केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में अध्ययन केन्द्र के समन्वयक प्रो0 डी0के0 सिंह, समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो0 ए0के0 भारतीय, डॉ0 संध्या यादव, लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा एवं शैक्षणिक परामर्शदाता, समाज कार्य, डॉ0 अलका वर्मा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में स्थापित मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया।

अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो0 डी0 के0 सिंह, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं विभागीय शिक्षकों के साथ विभिन्न प्रकार के नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर परिचर्चा की और प्रस्ताव पर विचार विमर्श हुआ।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थापित अध्ययन केंद्र की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि नए शैक्षिक सत्र में केंद्र पर आने वाले शिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छी तरह से समाधान किया जाए। उन्हें विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों के बारे में सूचना दी जाए।

नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर परिचर्चा

वृक्षारोपण कार्यक्रम

वृक्षारोपण करती हुई माननीया
कुलपति
प्रो० सीमा सिंह जी

इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने अध्ययन केंद्र पर पीपल के पौधे का रोपण किया। उन्होंने कहा कि पीपल का वृक्ष ऑक्सीजन प्रदान करता है। कोविड काल में इसकी महत्ता बहुत अधिक बढ़ गई है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पीपल के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ निरांजलि सिन्हा तथा शैक्षणिक परामर्शदाता समाज कार्य डॉ अलका वर्मा आदि उपस्थित रहे।

अध्ययन केंद्र पहुंची कुलपति, किया वृक्षारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने सोमवार को रायबरेली स्थित मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र फिरोज गांधी कॉलेज का निरीक्षण किया।

पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का स्वागत करते हुए कालेज के प्राचार्य, डॉ0 बी0डी0 मिश्रा।

फिरोज गांधी कालेज अध्ययन केंद्र पहुंचने पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बी.डी. मिश्रा एवं समन्वयक डॉ. राम बाबू कटियार ने माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं प्रभारी निदेशक डॉ ओम जी गुप्ता का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने माननीया कुलपति प्रो0 सिंह जी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

रोजगार परक कार्यक्रमों की महत्ता बताएं -प्रो0 सीमा सिंह

इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि जुलाई सत्र में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों से अवगत कराने के लिए जागरूकता अभियान की आवश्यकता है। प्रो0 सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है जो कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश में रोजगार परक एवं कौशल परक कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है। रायबरेली एवं उसके आसपास के क्षेत्र के लोगों को इन कार्यक्रमों का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए आसपास के क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान में गति लाई जाए। इस अवसर पर उन्होंने अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया तथा वहां की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की।

पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं- प्रो0 सीमा सिंह

वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

वृक्षारोपण कार्यक्रम

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र में वृक्षारोपण किया एवं उनके साथ प्रभारी निदेशक डॉ ओम जी गुप्ता, कॉलेज के प्राचार्य, समन्वयक एवं अन्य शिक्षकों ने भी पौधारोपण अभियान में सहभागिता की। उन्होंने पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की।

माननीया कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों एवं क्षेत्रीय केंद्रों पर वृक्षारोपण अभियान अनवरत चल रहा है। कई स्थानों पर माननीया कुलपति प्रो0 सिंह स्वयं वृक्षारोपण कर रही हैं तथा और लोगों को भी प्रेरित कर रही हैं।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के साथ बैठक में फिरोज गांधी कॉलेज के प्राचार्य डॉ बी डी मिश्रा, अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ रामबाबू कटियार, प्रभारी निदेशक डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ अरुण कुमार, डॉ शीला श्रीवास्तव, डॉ उदय भान सिंह, डॉ छन्नूलाल, डॉ राजेश कुमार, डॉ अनिल कुमार, महाविद्यालय के अन्य शिक्षक,छात्र छात्राएं, गणमान्य नागरिक तथा कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

विद्या परिषद की 67वीं बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 67वीं बैठक दिनांक 13 जुलाई, 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य, (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा, विद्याशाखा, (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

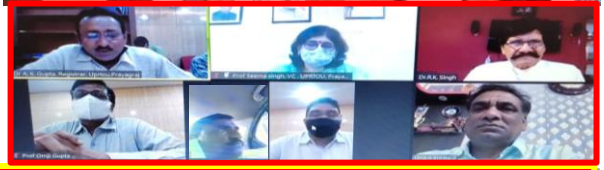

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

स्वयं सहायता समूह का गठन कर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने जैतवारडीह में किया जागरूकता कार्यक्रम

- महिलाओं की शिक्षा एवं आत्मनिर्भर बनने के प्रति जोर दिया।
- स्वयं सहायता समूह का गठन करने शिल्पकला जैसे कढ़ाई, बुनाई, सिलाई आदि से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के द्वारा प्रदान की गई।
- महिलाओं ने स्वयं आत्मनिर्भर व स्वावलंबी होने के लिए सिलाई, कढ़ाई, संगीत, कुम्हारी कला आदि के बारे में अपनी रुचि बतायी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित महिला अध्ययन केंद्र ने आज विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत सोरांव विकासखंड के अंतर्गत जैतवार डीह गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो0 रुचि बाजपेई ने महिलाओं की शिक्षा एवं आत्मनिर्भर बनने के प्रति जोर दिया। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन करने शिल्पकला जैसे कढ़ाई, बुनाई, सिलाई आदि से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के द्वारा प्रदान की गई।

उपस्थित ग्रामीण महिलाओं के सामान्य विवरण के साथ-साथ शिक्षा एवं आर्थिक सरकारी योजनाओं आदि के बारे में सर्वे के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। जिसमें अधिकांश महिलाओं ने स्वयं आत्मनिर्भर व स्वावलंबी होने के लिए सिलाई, कढ़ाई, संगीत, कुम्हारी कला आदि के बारे में अपनी रुचि बतायी।

सर्वे में यह स्पष्ट हुआ कि महिलाओं की शिक्षा का स्तर सामान्य है उनके मनोरंजन व सूचनाओं का संग्रह करने के लिए टीवी रेडियो व अखबार एक सशक्त माध्यम है अधिकांश महिलाओं का यह भी कहना था कि उन्हें स्वनिर्मित सामानों का उचित मूल्य नहीं मिलता, जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण महिलाओं का जनधन योजना के अंतर्गत बैंक में खाता है। इसके साथ ही उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे मातृत्व सुमन योजना, फ्री सिलाई मशीन योजना, उज्जवला योजना, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा जागरूक किया गया। ग्रामीण महिलाओं ने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की तथा इसका श्रेय विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रो० सीमा सिंह को दिया।

- अधिकांश महिलाओं का यह भी कहना था कि उन्हें स्वनिर्मित सामानों का उचित मूल्य नहीं मिलता, जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।
- ग्रामीण महिलाओं का जनधन योजना के अंतर्गत बैंक में खाता है।
- सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे मातृत्व सुमन योजना, फ्री सिलाई मशीन योजना, उज्जवला योजना, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा जागरूक किया गया।

इससे पूर्व प्रारंभ में सह समन्वयक डॉ. मीरा पाल ने ग्रामीण महिलाओं का स्वागत किया। सहायक समन्वयक डॉ. साधना श्रीवास्तव ने महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन के बारे में ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो0 रुचि बाजपेई, डॉ. मीरा पाल, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह, राजेश गौतम एवं डॉ. अतुल कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर मुविवि में हुआ व्याख्यान

राजनीति विज्ञान के उपाचार्य डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि एवं अन्य प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन समाज विज्ञान विद्याशाखा के सहायक निदेशक/ सहायक आचार्य डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस कार्यक्रम में सभी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शैक्षणिक परामर्शदाता एवं सभी अध्ययन केंद्र के प्रभारी परामर्शदाता तथा अन्य छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

महिलाओं को शिक्षित करें तभी होगा अधिकारों का बोध-न्यायमूर्ति चौहान

व्याख्यान की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता माननीया न्यायमूर्ति श्रीमती मंजू रानी चौहान, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज ने कहा कि भारत में महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक और कानूनी प्रावधान भारतीय संविधान में मौजूद हैं। भारत का संविधान न केवल महिलाओं को समानता प्रदान करता है बल्कि महिलाओं के पक्ष में सकारात्मक उपायों को अपनाने का अधिकार भी देता है। न्यायमूर्ति चौहान ने कहा कि सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा तथा विकास के लिए समय-समय पर भिन्न-भिन्न कानून बनाए हैं, फिर भी महिलाओं के प्रति हिंसा में कमी नहीं हो रही है। समाज में आज भी तरह-तरह के भेदभाव देखने को मिलते हैं, जबकि भारतीय संविधान की आधारभूत प्रतिज्ञा है कि भारतीय नागरिकों के बीच धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर किसी भी प्रकार की गैर बराबरी ना हो। न्यायमूर्ति चौहान ने कहा कि इस पहलू का सर्वाधिक संवेदनशील पक्ष पारंपरिक भारतीय समाज संरचना है। यह महिलाओं को प्रदत्त अधिकारों से उभारने की तथा उसे सफल बनाने की सजगता के साथ कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभीष्ट की प्रतिपूर्ति के लिए समय समय पर महिलाओं संबंधी कानून बनाए जा रहे हैं और उनकी सुरक्षा तथा समानता के अधिकारों को कानूनी उपचारों द्वारा सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति चौहान ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन शोषण से बचाने के लिए तरह-तरह के अधिकार प्राप्त हैं। लिव इन रिलेशनशिप में अगर प्रताड़ित किया जाता है तो महिलाएं शिकायत कर सकती हैं। जब तक रिलेशनशिप कायम है तब तक जबरन घर से निकाला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 42 के अंतर्गत अगर कोई महिला सरकारी या प्राइवेट नौकरी में भी है तो उसे मातृत्व अवकाश का प्रावधान है। जिसके लिए वह अपने जरूरत के हिसाब से 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश ले सकती है। इसके लिए उसे पूरी सैलरी व भत्ता दिया जाएगा। अगर इससे वंचित किया जाता है तो महिला न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है।

उन्होंने कहा कि समाज में जिस तरह से दहेज हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं उसके लिए महिलाओं को शिक्षित करना जरूरी है। इसके लिए ससुराल में सुरक्षित वातावरण बनाया जाना चाहिए। महिलाएं अगर शिक्षित होंगी तो उन्हें अपने अधिकारों की भी जानकारी होगी। इसके लिए पुत्रियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें। अगर एक महिला शिक्षित होगी तो चार पीढ़ियों को शिक्षित करेगी।

न्यायमूर्ति चौहान ने 16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में हुए निर्भया कांड का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद भारत सरकार ने एंटी रेप लॉ बनाया और इसमें कई नए तथ्यों को जोड़ा गया है। उससे समाज में अपराधियों के मध्य भय पैदा हुआ है। जिसके अंतर्गत बलात्कार के मामले में कम से कम 7 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया गया है तथा बलात्कार के मामले में अगर पीड़िता की मौत हो जाती है या वह कोमा में चली जाती है तो आरोपी को फांसी की सजा का भी प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि जन्म से पूर्व बालिकाओं को भ्रूण हत्या से बचाने के लिए अब कानून आ गया है और अल्ट्रासाउंड करके जबरन गर्भपात नहीं करा सकते।

उन्होंने कहा कि अगर कोई महिला अपराधी है तो उसे भी कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। ऐसी किसी भी महिला को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय के पहले हिरासत में नहीं लिया जा सकता। हिरासत में लेने के लिए महिला पुलिस का होना अति आवश्यक है।

न्यायमूर्ति चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना से महिलाओं की सामाजिक स्थिति का अध्ययन करने में काफी सहायता मिली है और इससे महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी तेजी आई है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह का ज्ञानोपयोगी व्याख्यान रखे जाने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के इस प्रयास की सराहना करते हुए उनके प्रति शुभकामना व्यक्त की। अंत में उन्होंने "यत्र नार्यन्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता" के साथ अपना उदबोधन समाप्त किया।

समाज की सोच बदलनी होगी - डॉ. गुप्ता

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने भी महिलाओं के अधिकारों की बात के साथ-साथ उनमें जागरूकता पर विशेष बल दिया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि भारतीय संविधान धर्म जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करता बल्कि महिलाओं को संरक्षण प्रदान करता है। संविधान में समान कार्य के लिए समान वेतन ,कार्यों का निश्चित समय आदि अन्य कानून भी हैं। उन्होंने कहा कि समाज की सोच बदलनी होगी और बहू बेटियों को समान अधिकार देने होंगे। भारतीय संविधान में 73वां 74वां संविधान संशोधन कर पंचायती चुनाव में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित किया गया है। आज अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिलाएं प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

डॉ अरुण कुमार गुप्ता

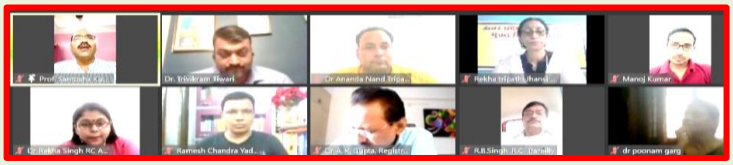

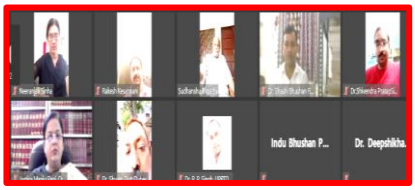

मुविवि के परीक्षा नियंत्रक हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव नामित

उत्तर प्रदेश शासन ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह को हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव पद पर नामित किया है। इस आशय का पत्र यहां पहुंचने पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने आज हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया।

अभी तक एकेडमी के सचिव का दायित्व उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के ही वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह के पास था। मुविवि के परीक्षा नियंत्रक श्री सिंह द्वारा हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव का पदभार संभालने पर हिंदुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष श्री उदय प्रताप सिंह एवं अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं साहित्यकारों ने उनका स्वागत किया।

मुक्त विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने भी परीक्षा नियंत्रक श्री सिंह की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उनको बधाई दी। यह महज संयोग ही है कि हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव के पद पर मुक्त विश्वविद्यालय के ही अधिकारी पदासीन होते आ रहे हैं। इससे पूर्व मुक्त विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह का एकेडमी के सचिव का कार्यकाल भी उपलब्धियों भरा रहा। इस अवधि में उन्होंने एकेडमी में कई विकास कार्य कराए और कर्मचारियों के हित के लिए भी काफी कार्य किया।

कार्य परिषद् की 119वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 119वीं बैठक दिनांक 22 जुलाई, 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

बैठक में प्रो0 निर्मला एस. मौर्या, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद दास, प्रतिकुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, डॉ0 नीरज अग्रवाल, वात्सल्य हास्पिटल, प्रयागराज, डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्ध्न अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिापाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी (विशेष आमंत्रित) एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

कार्यपरिषद के अपनी प्रथम बैठक में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

भारतीय स्वातंत्र्य-समर के इतिहास को अपने साहस और समर्पण द्वारा एक अतुल्य गौरव-बोध प्रदान करने वाले माँ भारती के दो सपूतों का आज **जन्मदिवस** है। भारत की हवाओं से अंग्रेज़ी अहंकार का ज़हर मिटाने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर देने वाले **बाल गंगाधर तिलक जी** और दुष्ट-दलन को संकल्पित अपनी पवित्र पिस्तौल द्वारा गुलामी की बेड़ियों के बजाए मृत्यु का विकल्प चुनने वाले शहीद **चंद्रशेखर आज़ाद जी** के जन्मदिवस पर दोनों नर-सिंहों को सादर प्रणाम।

'भारत की फ़ज़ाओं को सदा याद रहूँगा
आज़ाद था, आज़ाद हूँ, आज़ाद रहूँगा"

श्री बाल गंगाधर तिलक जी एवं शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनको लमन करती हुई आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण।

दिनांक 23 जुलाई 2021को आगरा क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा सिंह ने केंद्रीय कारागार आगरा स्थित विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र पर गई। वहां पर उन्होंने केंद्रीय कारागार आगरा के डीआईजी श्री वी के सिंह जी से मुलाकात की और उनको भेट में तुलसी, पीपल, बास, नीम आदि के 20 पौधे दिए तथा सजायाफ्ता कैदियों से मिलकर उनको भविष्य में कुछ कर दिखाने के लिए शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है, बताकर जागरूक किया तथा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में अवगत कराया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों द्वारा वृक्षा रोपण कार्यक्रम

मुविवि के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी का उद्घाटन

दिनांक 27 जुलाई, 2021 को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के बौद्ध भवन परिसर में स्थित उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी जी रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मा0 अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरान्त मा0 अतिथियों द्वारा शिलापट्ट का अनावरण किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी का उद्घाटन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी जी

फीता काटकर क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी का उद्घाटन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी जी

इस अवसर पर वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 एस0के0 सिंह द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 सीमा पाण्डेय, कुलसचिव महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं शिक्षकगण प्रो0 दिवाकर, प्रो0 निरंजन सहाय, डॉ0 के0के0 सिंह आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के माननीय कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी ने कहा कि प्राइवेट शिक्षा बन्द होने से जो बच्चे रेगुलर में प्रवेश नहीं ले सकते वे छात्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी पर सभी कोर्सों में प्रवेश ले सकते हैं।

माननीय कुलपति प्रो0 आनन्द कुमार त्यागी

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में खुलने से विद्यार्थियों एवं अध्ययन केन्द्रों को अच्छी सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के परिसर में होने से 7 जिलों के लगभग 8000 विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने में आसानी होगी।

छात्रों से रूबरू हुई मुविवि की कुलपति

विश्वविद्यालय में प्रदेश के कई स्थानों से आए छात्रों से रूबरू होती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने आज परीक्षा विभाग में प्रदेश के कई स्थानों से आए छात्रों से रूबरू होते हुए उनकी समस्यायें सुनी तथा कई शिक्षार्थियों के अधूरे अंकपत्र पूर्ण कराकर उन्हें दिए। परिसर में माननीया कुलपति प्रो0 सिंह को अपने बीच पाकर छात्र प्रफुल्लित दिखे।

माननीया कुलपति प्रो0 सिंह ने परीक्षा विभाग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश परीक्षा नियंत्रक को दिए।

माननीया कुलपति प्रो0 सिंह ने परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह को निर्देशित किया कि जितनी भी अधूरी मार्कशीट हो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाये। इसके साथ ही उन्होंने परिसर को साफ–सुथरा बनाये रखने का निर्देश सभी पटल प्रभारियों को दिया।

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा 29 जुलाई 2021 को सैक्टर 71, नोएडा में प्रतिष्ठापित मंदिर के प्रांगण में वहाँ पुजारी सहयोग से तथा आज 29 जुलाई 2021 को उस क्षेत्र की समाज सेविका अनीता चौधरी के सहयोग से सड़क के किनारे पर पीपल , वट , नीम तथा गूलर आदि के 50 वृक्षों का रोपण किया गया।

माननीया कुलपति जी ने किया विद्याशाखाओं का निरीक्षण

शासन एवं मा0 राज्यपाल जी की मंशानुरूप नैक को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये विश्वविद्यालय की माननीयय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने दिनांक 30 जुलाई, 2021 को सरस्वती परिसर एवं विद्याशाखाओं का औचक निरीक्षण किया। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह ने आज सरस्वती परिसर स्थित विद्याशाखाओं में दौरा किया। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह ने कार्यालयों में सफाई व्यवस्था को चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए सम्बन्धित निदेशकों, अधिकारियों एवं प्रभारियों के साथ बैठक कर निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान विद्याशाखाओं के निदेशक, प्रभारी निदेशक मा0 कुलपति जी के ओ.एस.डी. सम्पत्ति विभाग के प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी विद्युत परामर्शदाता, वित्त विभाग के कर्मचारी एवं कुलसचिव उपस्थित रहे।

सरस्वती परिसर स्थित विद्याशाखाओं का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

Topic : Women's Issues- Accessing Law for Empowerment

मुक्त विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 31 जुलाई 2021 को पूर्वाहन 11 बजे महिला सशक्तिकरण विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 सुमिता परमार पूर्व निदेशक महिला अध्ययन केंद्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद रही तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि
प्रो. सुमिता परमार,

जीरो टॉलरेंस से कम होंगे यौन उत्पीड़न के केस. प्रोफेसर परमार

व्याख्यान की मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुमिता परमारए पूर्व निदेशकए महिला अध्ययन केंद्रए इलाहाबाद विश्वविद्यालयए प्रयागराज ने कहां कि अगर सभी विभागों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए तो उससे यौन उत्पीड़न के केस में कमी आ सकती है। इसके लिए संस्था में उच्च पद से लेकर निम्न वर्ग के कर्मचारी तक एक ही नीति का पालन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि विश्व में 1970 में सर्वप्रथम अमेरिका में महिला उत्पीड़न शब्द की शुरुआत फारले द्वारा की गई। उन्होंने विस्तार पूर्वक महिला उत्पीड़न के प्रकारों तथा उनसे बचने के उपाय पर महत्वपूर्ण चर्चा की। साथ ही भारत में किस प्रकार से यौन उत्पीड़न अधिनियम का निर्माण हुआए इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रोफेसर परमार ने अनीता हिल केसए विशाखा केसए मेधा कोटवाल केस तथा भंवरी देवी केस के माध्यम से यौन उत्पीड़न अधिनियम के विकास पर विस्तार से चर्चा की।

प्रोफेसर परमार ने सरकारी योजनाओं तथा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम के सभी बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए सही ढंग से लागू किए जाने के प्रयासों पर जोर दिया।

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह

महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा ही प्रमुख अस्त्र – प्रो. सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि महिलाओं में साहस एवं जागरूकता का होना अत्यंत आवश्यक है। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा ही प्रमुख अस्त्र है। महिलाओं को शिक्षित करना ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा। कुलपति ने महिलाओं में अधिनियम के प्रति जागरूकता फैलाने की बात कही।

मुविवि में मृतक आश्रित कोटे में नियुक्ति

कुलपति ने रूबी को प्रदान किया नियुक्ति पत्र देती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने श्रीमती रूबी सोनकर को मृतक आश्रित के रूप में अनुकंपा के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा सृजित कनिष्ठ सहायक के अधिसंख्य पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया। श्रीमती सोनकर विश्वविद्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत रहे श्री अशोक चौधरी की पत्नी हैं। अशोक चौधरी का निधन गत 23 मई 2020 को हो गया था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के संज्ञान में मृतक आश्रित कोटे के अंतर्गत नियुक्ति का मामला आया तो उन्होंने इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किया और कार्यपरिषद की बैठक में नियुक्ति का निर्णय लिया गया। आज समस्त औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत उन्होंने रूबी सोनकर को अपने हाथ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता एवं कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ सतीश चंद जैसल आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने झंडी दिखाकर परीक्षा परीक्षा सामग्री लेकर जा रही गाड़ियों को रवाना किया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अंतिम सेमेस्टर व अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 3 अगस्त से शुरू होंगी। आंशिक संशोधन के तहत परीक्षाएं अब 16 अगस्त तक चलेंगी। प्रदेशभर के 122 परीक्षा केंद्रों पर तकरीबन 48 हजार शिक्षार्थी शामिल होंगे। दिनांक 31 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह जी ने झंडी दिखाकर परीक्षा परीक्षा सामग्री लेकर जा रही गाड़ियों को रवाना किया इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, विश्वविद्यालय के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे

माननीया कुलपति महोदया की अध्यक्षता में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक तथा परीक्षा केन्द्राध्यक्षक के साथ बैठक

कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह जी **की अध्यक्षता में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक तथा परीक्षा केन्द्राध्यक्षक के साथ बैठक** (आनलाइन) दिनांक 31 जुलाई 2021 को आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष व अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं 3 अगस्त से शुरू होंगी जो 16 अगस्त तक चलेंगी। प्रदेश भर के 122 परीक्षा केंद्रों पर तकरीबन 48 हजार शिक्षार्थी शामिल होंगे। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि इस बार की परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र एवं ओएमआर आधारित कराई जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित तिथि एवं समय पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए परीक्षा में शामिल होंगे।

माननीया कुलपति महोदया ने समन्वयक तथा केन्द्राध्यक्ष के साथ बैठक में परीक्षा सम्बन्धी तैयारी का जायजा लिया तथा परीक्षा को नकलविहिन एवं सुचारुरुप से संचालित कराने हेतु निर्देशित किया।

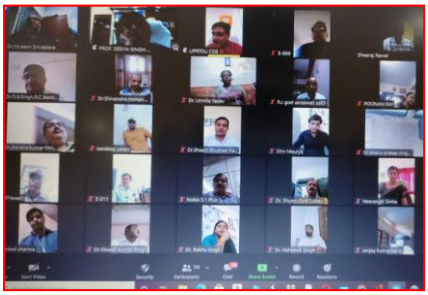

परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह

बैठक में परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों की सहूलियत के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ओएमआर शीट भरने का डेमो प्रदर्शित किया गया है। जिसमें नामांकन संख्या के साथ बुकलेट कोड नंबर, पेपर कोड नंबर, परीक्षा केंद्र, हस्ताक्षर, प्रश्नों का क्रम एवं विकल्प को ओएमआर शीट में दर्शाने के उपाय को बहुत ही स्पष्टता से समझाया गया है। ओएमआर सीट भरने में किसी भी त्रुटि से बचने के लिए परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थी इसका अभ्यास कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि परीक्षा के आयोजन में कोविड-19 प्रोटोकाल का पूरा ध्यान रखा जाएगा। सभी केंद्राध्यक्षों को परीक्षा केंद्र को सैनिटाइज किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा केंद्र पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा हाल में न्यूनतम 6 फीट की दूरी पर बैठने की व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षार्थियों के लिए मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं।